Patrika (Hindi) (Indore ed.) 09th June 2013, Page-1

विकास को रिसर्च-इनोवेशन से जोड़कर देखना होगा

आईआईटी के दीक्षांत समारोह में बोले राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी

इंदौर

indore@patrika.com

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा है कि देश के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं, जिसका सामना करने की क्षमता भी हममें है। ज़रूरत है, तो केवल रिसर्च और इनोवेशन को विकास के साथ जोड़कर काम करने की। तभी हम नए भारत का निर्माण कर पाएंगे। साथ ही हमें जरूरत है आत्मविश्वास की। शिक्षक हमें ज्ञान दे सकता है। संस्थाएं हमारे व्यक्तित्व विकास में सहायक हो सकती हैं, लेकिन आत्मविश्वास हमें ही पैदा करना होगा। क्षमताओं की कमी नहीं है, लेकिन आत्मविश्वास के साथ फोकस हो आगे बढ़ना होगा। राष्ट्रपति आईआईटी इंदौर के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित के लिए करें। उन्होंने कहा, इनोवेशन को विकास की चाबी के रूप में देखना चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था उस समय भी अच्छी ही रही, जब पूरे विश्व में आर्थिक मंदी का दौर था। पचास के दशक में जब भारत की विकास दर 3.2 हुआ करती थी, वहीं आज हम 7.9 प्रतिशत के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

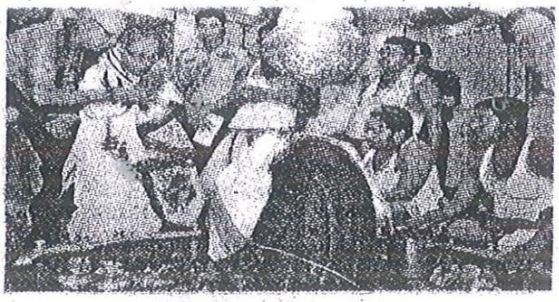

महाकाल मंदिर में पूजन

उज्जैन. राष्ट्रपति मुखर्जी शनिवार को करीब आधा घंटा महाकाल मंदिर में बिताया। यहां उन्होंने षोडषोपचार पूजा की। दोपहर 2.5 बजे राष्ट्रपति का कारकेड मंदिर पहुंचा और आधा घंटा रुकने के बाद 2.35 बजे रवाना हुआ। नंदी हॉल में उन्हें सम्मान स्वरूप चांदी का शिवलिंग, शॉल व दुपट्टा भेंट किया गया। अभिषेक स्थल पर 16 पुजारी व 22 पुरोहितों ने राष्ट्रपति का सम्मान किया।

अंकित को किया सम्मानित

राष्ट्रपति ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अंकित गोयल को राष्ट्रपति गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। अभिषेक, अनामिका पटेल ओर रीमा सक्सेना को सिल्वर मेडल से नवाजा गया।

आईआईटी इंदौर के टॉपर अंकित गोयल को पदक प्रदान करते राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी।